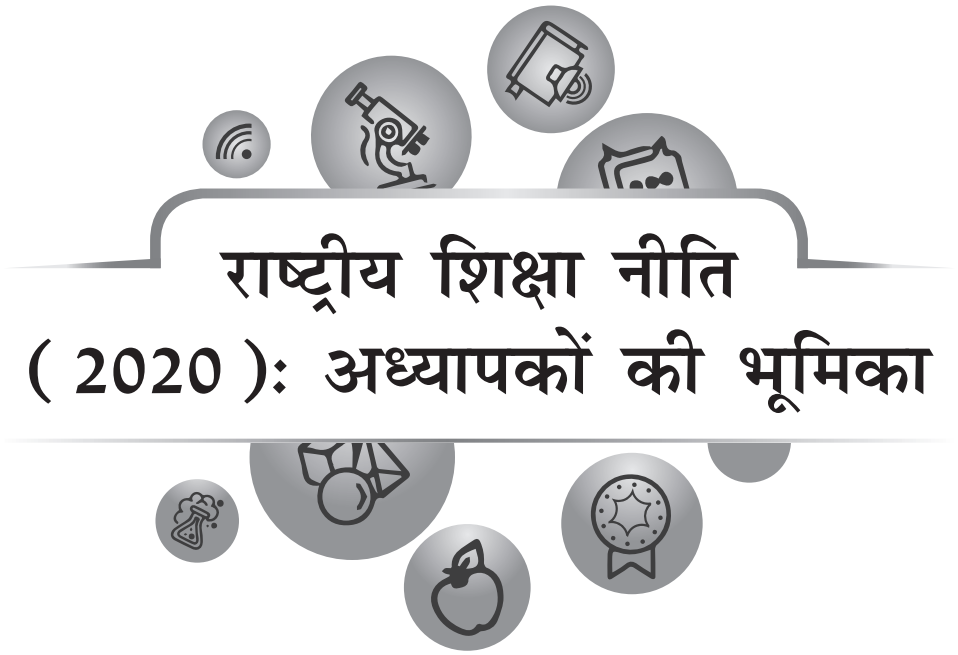

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020): अध्यापकों की भूमिका

This First Edition published in 2024

© 2024 New Delhi Publishers, India

Title: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020): अध्यापकों की भूमिका

Authors: Dr. Namrata Sharma, Dr. Sarita Chaudhary and Anamika Yadav

Description: First edition | New Delhi Publishers 2024 | Includes bibliographical references and index.

Identifiers: ISBN 9788197362606 (Print) | 9788197362620 (eBook)

Cover Design: New Delhi Publishers

All rights reserved. No part of this publication or the information contained herein may be reproduced, adapted, abridged, translated, stored in a retrieval system, computer system, photographic or other systems or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, by photocopying, recording or otherwise, without written prior permission from the publisher.

Disclaimer: Whereas every effort has been made to avoid errors and omissions, this publication is being sold on the understanding that neither the editors (or authors) nor the publishers nor the printers would be liable in any manner to any person either for an error or for an omission in this publication, or for any action to be taken on the basis of this work. Any inadvertent discrepancy noted may be brought to the attention of the publisher, for rectifying it in future editions, if published.

Trademark Notice: Product or corporate names may be trademarks or registered trademarks, and are used only for identification and explanation without intent to infringe

NEW DELHI PUBLISHERS

Head Office: 90, Sainik Vihar, Mohan Garden, New Delhi, India

Corporate Office: 7/28, Room No. 208/209, Vardaan House, Mahavir Lane, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi, India

Branch Office: 216, Flat-GC, Green Park, Narendrapur, Kolkata, India

Tel: 011-23256188, 011-45130562, 9971676330, 9582248909

Email: ndpublishers/rediffmail.com/gmail.com

Website: www.ndpublisher.in

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020): अध्यापकों की भूमिका

लेखक

डॉ. नम्रता शर्मा

डॉ. सरिता चौधरी

अनामिका यादव

NEW DELHI PUBLISHERS

New Delhi, Kolkata

सहयोगी सूची

डॉ. शिखा रानी
असिस्टेन्ट प्रोफेसर (हिन्दी विभाग)
श्री द्रोणाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय
दनकौर (गौतम बुद्ध नगर), भारत
ई-मेल: drshikha.agar@gmail.com

हर्षवर्धन पाण्डे
शोधार्थी,
कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड, भारत

अमित वसंतराव देवतळे
शोधार्थी,
संत गाडगेबाबा अमरावती विद्यापीठ, भारत
ई-मेल: Amitdeotale2010@gmail.com)

डॉ. सुहासकुमार रूपराव पाटील
प्राचार्य
शासकीय शिक्षण महाविद्यालय, यवतमाळ, भारत

भरत यादव
शोधार्थी, शिक्षा विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर,
छत्तीसगढ़, भारत
ई-मेल: bharatyadav945@gmail.com

डॉ. ज्योति वर्मा
सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर,
छत्तीसगढ़, भारत
ई-मेल: jyoti-edu1982@gmail.com

डॉ. डी. एस. मुजालदा
सहायक प्रोफेसर (कॉमर्स),
सरदारपुर - राजगढ़, भारत

डॉ० रश्मि जहाँ
एम.एड., पी-एच.डी., असिस्टेन्ट प्रोफेसर
श्री द्रोणाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भारत

डॉ. सपना कासलीवाल
सहायक प्रोफेसर (कॉमर्स)
श्री राजेन्द्र सूरी गवर्नमेंट कॉलेज
सरदारपुर - राजगढ़, भारत

डॉ. राजेश एक्का
सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र विभाग
बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय,
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)-226025, भारत

अनीस अहमद खान
पी-एच.डी. शिक्षाशास्त्र
शिक्षा शास्त्र विभाग,
बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय,
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)-226025, भारत

डॉ. राकेश कुमार बडासरा
सहायक आचार्य -शिक्षा
मोहिनी देवी गोयनका गर्ल्स बी.एड. कॉलेज,
लक्ष्मणगढ, सीकर, राजस्थान, भारत

आदर्श कुमार
पी-एच.डी. शिक्षाशास्त्र (शोधार्थी)
शिक्षा विद्यापीठ, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी
विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र, भारत
ई-मेल: adarshpathak27mve@gmail.com

प्रो. शिरीष पाल सिंह
प्रोफेसर,
सीआईईटी, एनसीईआरटी,
नई दिल्ली, भारत

अभिषेक वर्मा
शोधार्थी, शिक्षा विभाग
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय
वर्धा, महाराष्ट्र, भारत

डॉ. रीमा देवांगन
सहायक प्राध्यापक (शिक्षा विभाग),
सेंट थॉमस महाविद्यालय, भिलाई, छत्तीसगढ़, भारत
ई-मेल: stcreemadewangan@gmail.com

डॉ. रश्मि गुप्ता
असिस्टेंट प्रोफेसर , रसायन शास्त्र विभाग
श्री द्रोणाचार्य पीजी कॉलेज दनकौर ,
गौतम बुद्ध नगर, भारत
ई-मेल: rashmigupta_jbp2007@rediffmail.com

एकता मिश्रा
शोधार्थी (शिक्षा विभाग)
डॉ. बी. आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय,
दिल्ली, भारत

डॉ. इंदिरा कुमारी
सहायक आचार्य
मोहिनी देवी गोयनका गर्ल्स बी.एड. कॉलेज,
सीकर, राजस्थान, भारत
ई-मेल: irkbudania@gmail.com

डॉ. अरुण कुमार खोबरे
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार
विश्वविद्यालय, माखनपुरम परिसर,
बिशनखेड़ी, भोपाल, भारत

डॉ. राकेश कुमार
प्राचार्य
मोहिनी देवी गोयनका गर्ल्स बी.एड. कॉलेज
सीकर, राजस्थान, भारत
ई-मेल: rkbudania@gmail.com

Arindam Dasgupta
State Aided College Teacher 1
Department of Zoology,
Vivekananda College for Women,
Kolkata, India
E-mail: arindamdsgpta12@gmail.com

Jyoti Shukla
Research Scholar,
(Department of Education)
CMP College, University of Allahabad,
Allahabad, India
E-mail: jshukla9889@gmail.com

Mrs. Monalisha Tamuly
Assistant Professor, Deptt. of Education
Marangi Mahavidyalaya, Assam, India

Dr. Parasurama D
Assistant Professor,
JSS Sri Manjunatheshwara College of Education,
Dharwad, Karnataka, India
E-mail: parasurama.dlrskt@gmail.com

Prerna Priya
Assistant Professor,
Incharge, Dept. of Women Studies
ANDNNM College, Kanpur, India

Pradeep Kumar Yadav
Research scholar,
Department of Education
ISDC University of Allahabad,
Allahabad, India
E-mail: pky9451@gmail.com

Sohan Singh
Research Scholar,
Department of Education
CPM College, UOA, Prayagraj, India
E-mail: rescholar.sohan10082020@gmail.com

Dr. Sapna Kasliwal
Asst. Prof. Commerce
SRS Govt. College, Sardarpur, India
E-mail: spnjain3@gmail.com

Mrs. Vartika Sañena
Department of Management,
Faculty of Social Science,
Dayalbagh Education Institute- Agra, India
E-mail: vartikasñaena95@gmail.com

प्राक्कथन

शिक्षा नीति को बनाने से ज्यादा चुनौतिपूर्ण कार्य इसका क्रियान्वयन करना है जिसमें अध्यापकों को अपनी अहम भूमिका निभानी होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में जो भी नए परिवर्तन हुये हैं उनको अध्यापक समझ कर विद्यार्थियों व अभिभावकों को समझाने की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अध्यापकों की जिम्मेदारी भी बढ़ी है जिसे पहले की ही तरह अध्यापकों को बखूबी निभाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में चाणक्य के वाक्य कि "शिक्षक कभी साधारण नहीं होता, उसकी गोद में प्रलय व निर्माण एक साथ पलते हैं" को उद्धृत करते हुये कहा कि विद्यार्थी के जीवन में अध्यापक ही परिवर्तन ला सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यार्थियों को रोजगार व स्वरोजगार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। शिक्षा नीति अपने सकारात्मक परिवर्तनों से भरपूर है तथा इसमें सुविधाएं और अवसर से परिपूर्णता का प्रावधान दिया गया हैं। इन सभी को विद्यार्थियों तक पहुंचाने का कार्य अध्यापकों का है। वर्तमान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अध्यापक के महत्व पर सर्वाधिक जोर देती है, जिसमें उल्लेख है कि प्रत्येक विद्यार्थी की विशिष्ट क्षमताओं की पहचान और उसके विकास के लिए अध्यापकों एवं अभिभावकों को इनकी क्षमताओं के प्रति संवेदनशील होना पड़ेगा, जिससे कि विद्यार्थियों की अकादमिक और अन्य क्षमताओं का पूर्ण विकास हो सके। उच्चतर शिक्षा के अनुभवजन्य क्षेत्रों में प्रवेश की ऐसी अपार संभावनाओं के द्वार खुल सकते हैं जो व्यक्तियों और समुदायों को भी प्रतिकूल परिस्थितियों के कुचक्र से निकाल सकते है। इसी कारण सभी के लिए उच्चतर गुणवत्तायुक्त शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने को सर्वोच्च प्राथमिकताएं दी जानी चाहिए। अतएव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सही तरीके से लागू करने में अध्यापक की भूमिका अहम है।

प्रस्तुत पुस्तक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में अध्यापकों की भूमिका से संबन्धित विभिन्न शोधार्थियों, अध्यापकों, एवं आचार्यों द्वारा उनके विचार और सुझावों को सम्मिलित किया गया है। इस पुस्तक में कुल 24 अध्याय हैं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में सुझाए गए भाषा के महत्व को ध्यान में रखते हुये इस पुस्तक में 15 हिन्दी भाषा एवं 9 अंग्रेजी भाषा के शोध पत्रों एवं लेखों को संपादित किया गया। पुस्तक के विभिन्न अध्यायों के लेखक अपने अपने विषय क्षेत्र और अनुशासन के ज्ञाता, शिक्षाविद और आलोचक हैं। इनके लेख मुख्य रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, अध्यापक शिक्षा, कौशल, डिजिटलीकरण, ऑनलाइन शिक्षा, ग्रामीण भारत जैसे विभिन्न बिंदुओं पर केन्द्रित है।

प्रस्तुत संपादित पुस्तक का पहला अध्याय अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम में ई-अधिगम है जिसे डॉ. शिखा रानी द्वारा लिखा गया है। प्रस्तुत अध्याय में सूचना एवं संचार तकनीकी के अन्तर्गत ई-अधिगम ओडियो, वीडियो एवं टेली-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अध्यापक शिक्षा एवं दूरस्थ शिक्षा में होने वाले बदलाव और उनसे होने वाले लाभ के विषय में चर्चा की गयी है। दूसरा

अध्याय उच्च शिक्षा की दशा और दिशा विषय पर हर्षवर्धन पाण्डे द्वारा लिखा गया है। इस अध्याय में कहा गया है कि उच्च शिक्षा में ऐसी गुंजाईश होनी चाहिए कि व्यक्ति का सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव बेहद सक्रिय हो सके और मानवीय विषयों में संवेदन, तर्कशक्ति, प्रेक्षण, विवेचन को बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए, साथ ही हर विषय का अध्ययन करते हुए उसमें आजीविका का पक्ष खोजना जरूरी है। तीसरे अध्याय का लेखन कार्य अमित वसंतराव देवतळे एवं डॉ. सुहासकुमार, रूपराव, पाटील द्वारा किया गया है जिसका शीर्षक नागपूरशहर के प्राथमिक स्तर के अध्यापकों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्राथमिक शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण–एक सर्वेक्षणात्मक अध्ययन है। इस अध्याय में नागपुर शहर के प्राथमिक स्तर के अध्यापकों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्राथमिक शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण को व्यक्त किया गया है और साथ ही प्राथमिक स्तर पर उसका क्रियान्वयन करते समय भविष्य में होने वाली समस्याओं की विस्तृत चर्चा की गयी है। प्रस्तुत संपादित पुस्तक का चौथा अध्याय भरत यादव एवं डॉ. ज्योति वर्मा द्वारा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षकों की व्यावसायिक कुशलता के विभिन्न आयाम और चुनौतियों विषय पर लिखा गया है। प्रस्तुत अध्याय में शिक्षकों की व्यवसायिक कुशलता के महत्वपूर्ण आयाम को परिभाषित करना एवं उसमें आने वाली चुनौतियों का वर्णन किया गया है जिसे शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए अति आवश्यक कारक के रूप में बताया गया हैं। पांचवा अध्याय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और अध्यापक प्रशिक्षण विषय पर डॉ. रश्मि जहाँ द्वारा लिखा गया है। जिसमें चर्चा की गयी है कि अध्यापक शिक्षा के मामले में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक मील का पत्थर प्रतीत होती है, जो वर्तमान अध्यापक शिक्षा में सुधार और शिक्षण को आकार देने के लिए सभी आवश्यक कारकों का समावेश करती है। यह अपने बहुआयामी दृष्टिकोण से अध्यापक शिक्षा को पुनर्जीवित करने को समर्पित है। छठवाँ अध्याय डिजिटलीकरण के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षा और शिक्षण उपकरणों का उपयोग: ग्रामीण भारत के लिए संभावनाएं पर केन्द्रित है जिसे डॉ. डी. एस. मुजालदा एवं डॉ. सपना कासलीवाल द्वारा लिखा गया है। प्रस्तुत अध्याय ग्रामीण भारत में शिक्षा क्षेत्र में परिवर्तन के लिए उच्च गति और कार्यक्षम इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले डिजिटल उपकरणों और प्लेटफॉर्मों को अपनाने और क्रियान्वयन की आवश्यकता पर केंद्रित है। और साथ ही डिजिटल विभाजन की समस्याओं और डिजिटलीकरण को लागू करने में आने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डालता है। इस संपादित पुस्तक का सातवाँ अध्याय अनीस अहमद खान एवं डॉ. राजेश एक्का द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में हिन्दी भाषा कौशलों की भूमिका विषय पर लिखा गया है। यह अध्याय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों और समस्याओं पर केन्द्रित होने के साथ साथ हिन्दी भाषी क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन हेतु हिन्दी भाषा कौशलों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गयी है। इस पुस्तक का आठवाँ अध्याय डॉ. राकेश कुमार बडासरा द्वारा भारत में नई शिक्षा नीति 2020: अवसर और चुनौतियाँ विषय पर लिखा गया है। प्रस्तुत अध्याय में स्कूल शिक्षा, मातृभाषा, क्रियान्वयन, अवसर, चुनौती भारत सरकार द्वारा गंभीर मंथन एवं वर्तमान में प्रचलित शिक्षा नीति की कमियों से सबक लेते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के महत्व को बताने का प्रयास किया

गया है। नौवें अध्याय में आदर्श कुमार द्वारा मूल्य शिक्षा संवर्धन में शिक्षक की भूमिका विषय पर लेख लिखा गया है। जिसमें इस बात पर ध्यान केन्द्रित किया गया कि व्यक्ति अपनी चेतन शीलता के कारण ज्ञान, कौशल, अभिवृत्ति और मूल्यों को ग्रहण करता है। इस प्रकार शिक्षा को मूल्य ग्रहण की प्रक्रिया के रूप में देखा जा सकता है। शिक्षा को प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक मूल्य आधारित शिक्षा देना चाहिए। प्रस्तुत संपादित पुस्तक में दसवां अध्याय अभिषेक वर्मा और प्रो. शिरीष पाल सिंह द्वारा लिखा गया है। जिसका शीर्षक गेमिफिकेशन की शिक्षा की प्रभाविता है। जिसमें यह बताने का प्रयास किया गया है कि गेमिफिकेशन अन्य पूर्व-मौजूदा वस्तुओं में गेम तत्वों को जोड़ने की प्रक्रिया है। गेमिफिकेशन अधिक सहभागिता को प्रेरित करने के लिए खेल के विभिन्न सिद्ध तत्वों का उपयोग करने की प्रक्रिया भी है। इसका उपयोग किसी भी प्रकार के ग्राहकों, कर्मचारियों या विद्यार्थियों में वांछित व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए किया जा सकता है। यह एक प्रेरक रणनीति है जो हमारी प्रतिस्पर्धी भावना को बढ़ावा देने और सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है। इस पुस्तक का ग्यारहवाँ अध्याय डॉ. रीमा देवांगन द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन में शिक्षकों और प्रशिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण क्यों विषय पर लिखा गया है। और बात पर ध्यान केन्द्रित किया गया कि शिक्षकों के मन में यह भाव होना चाहिए कि राष्ट्र निर्माण के लिए इस विशिष्ट दायित्व का निर्वहन उनकी जिम्मेदारी है। क्योंकि एनईपी 2020 शिक्षकों और प्रशिक्षकों को सुविधा प्रदाता, संरक्षक और मार्गदर्शक के रूप में देखता है, जो उत्प्रेरित, ऊर्जावान और सक्षम हैं। प्रस्तुत पुस्तक का बारहवाँ अध्याय भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अध्यापकों का योगदान विषय पर डॉ. रश्मि गुप्ता द्वारा लेख लिखा गया है। जिसमें यह बताया गया है कि भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य एक प्रगतिशील लचीली, बहुविषयक, प्रौद्योगिकी और कौशल केंद्रित शिक्षा प्रणाली बनाना है जिसके लिए सक्षम रचनात्मक कुशल रोजगार योग्य और नैतिक शिक्षार्थियों को तैयार करने में अहम भूमिका शिक्षकों की होगी, जिससे सक्षम, रचनात्मक, कुशल, रोजगार योग्य और नैतिक शिक्षार्थी तैयार हो सके। तेरहवाँ अध्याय एकता मिश्रा द्वारा लिखा गया है जिसका शीर्षक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में शिक्षक शिक्षा में होने वाले बदलाओं एवं चुनौतियाँ है जो यह इंगित करता है कि अध्यापक की उपलब्धता और उसका गुणवत्ता पूर्ण प्रशिक्षण चुनौतीपूर्ण रहा है। और राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अध्यापक शिक्षा में वर्तमान से जुड़ी प्रमुख चुनौतीयों तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षक-शिक्षा में होने वाले बदलाओं आदि पर विस्तार से इस अध्याय में चर्चा की गई है। चौदहवाँ अध्याय डॉ. इंदिरा कुमारी एवं डॉ. राकेश कुमार द्वारा लिखा गया है जिसका शीर्षक उच्चतर शिक्षण संस्थानों में प्रभावी प्रशासन और नेतृत्व है जो इस ओर ध्यान केन्द्रित करता है कि उच्चतर शिक्षा संस्थानों को उत्कृष्टता और नवाचार की संस्कृति के निर्माण में सक्षम बनाने में प्रभावी प्रशासन और नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका है। उच्चतर शिक्षा में प्रशासन व नेतृत्व वह साधन है जिसके द्वारा उच्च शिक्षा के लिए संस्थानों को औपचारिक रूप से संगठित और प्रबंधित किया जाता है। पंद्रहवाँ अध्याय डॉ. अरुण कुमार खोबरे द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं अध्यापकों की भूमिका विषय पर लेख लिखा गया है। जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

को लागू करने के लिए अध्यापकों को प्रशिक्षित किए जाने पर जोर दिया गया है साथ ही यह बताया गया है कि अध्यापकों को प्रशिक्षित करने के लिए समय-समय अपर कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन का सुझाव प्रस्तुत किया गया है।

Sixteenth chapter of this edited book is written by *Dr. Parasurama D.* which title is *Study of Awareness about NEP – 2020 among Secondary Teachers Trainees.* This chapter is indicate to Awareness about NEP among Secondary Teacher Trainees. And the study also intended to identify the level of awareness about NEP and whether gender, methodology and medium influence on awareness. Seventeenth chapter of this book is written by *Dr. Sapna kasliwal* which title is *Empowering Educators: Fostering Digital Inclusion in Indian Higher Education.* Which is mainly focus on the concept of digital divide underscores the existence of social inequalities in leveraging Information and Communication Technology (ICT). The dynamic nature of ICT evolution also exacerbates the risk of certain groups lagging in technology adoption. Eighteenth chapter of this edit book is *Professional Commitment of Secondary School Teachers in Perspective of NEP 2020* which is written by *Jyoti Shukla.* This chapter is indicate about The dynamic relationship between NEP 2020 and the professional commitment of secondary school teachers shedding light on the multifaceted nature of their dedication and the policy's impact. Nineteenth chapter of this book is written by *Arindam Dasguprta.* Which topic is *Contribution of Teachers for Holistic Development of Students According to NEP 2020: An Analysis.* Which is focus on National Education Policy 2020, the entire approach to the development of education has taken a paradigm shift towards holistic development of students. By holistic, the policy incorporates social, cultural, educational, physical, mental as well as spiritual aspects of life. Twentieth chapter of this edited book is written by *Mr. Vartika Saxena.* Which title is *A Comparative Analysis of Reforms in the Teaching, Learning, and Evaluative Processes.* This chapter to indicate to the ongoing reforms in teaching, learning and evaluation processes within the realm of education. By synthesizing existing literature, empirical studies, and case examples, we explore the multifaceted nature of these reforms and their impact on educational outcomes. Twenty first chapter of this book *is Inclusive and Equitable Future: A Vision for Education for Women,* which is written by *Prerna Priya.* The title highlights the central theme of inclusivity within the New Education Policy. The term 'inclusive future' signifies a forward-looking approach that prioritises equity, diversity, and the participation of all learners in the educational process. It must ensure that every student, regardless of background, gender, ability, or circumstance, has equal access to not just quality education but also has the opportunity to thrive. Twenty second chapter of this book is *Role of Teachers in promoting Inclusive Education.* Which

is written by *Pradeep Kumar Yadav.* This chapter is mainly focus about inclusion. Inclusion in education is defined as a teaching strategy that addresses both cognitive and physical disabilities in addition to the diversity of human talents, languages, ages, genders, and cultures. This phenomenon of pupils having trouble learning, both inside and outside of educational institutions, calls for special needs education. Twenty third chapter of this edited book is *Supporting School Adjustment through Teacher-Student Relationships in NEP 2020* which is written by *Sohan Singh.* This chapter highlighted the diverse strategies and practices employed by teachers to promote school adjustment under NEP 2020 including creating inclusive classrooms, differentiating instruction, and integrating social-emotional learning programs. Twenty fourth chapter is written by *Mrs. Monalisha Tamuly.* The chapter title of *A Study on Skill Development and NEP 2020.* Which is indicate to skill development means developing or enhancing the ability to do something well. It is the acquisition of ability or capacity through sustained and systematic efforts, to carry out complex activities or job functions adaptively and smoothly.

अंततः हम यह कह सकते हैं कि इस संपादित पुस्तक में सम्मिलित किए गए अध्याय विद्यार्थियों, शोधार्थियों, अध्यापकों, अध्यापक प्रशिक्षकों, एवं नीति निर्माताओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। क्योंकि इस पुस्तक में सम्मिलित किए गए अध्याय के लेखकों द्वारा पूरी निष्ठा के साथ समीक्षात्मक और आलोचनात्मक दृष्टि से अध्यायों का लेखन कार्य किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में अध्यापकों की भूमिका के संदर्भ में प्रस्तुत संपादित पुस्तक में विभिन्न मार्ग प्रशस्त किए गए हैं। इसलिए, हमें आशा ही नही अपितु पूर्ण विश्वास है कि यह संपादित पुस्तक शिक्षा संबन्धित क्षेत्रों में एक मार्गदर्शिका के रूप में आपके लिए उपलब्ध होगी। अंत में इस संपादित पुस्तक हेतु सभी लेखकों द्वारा किए गए प्रयासों के लिए धन्यवाद देते हैं।

डॉ. नम्रता शर्मा
डॉ. सरिता चौधरी
अनामिका यादव
संपादक

दिनांकः 20.05.2024
स्थानः इंदौर

अनुक्रमणिका

सहयोगी सूची *v*

प्राक्कथन *vii*

1. **अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम में ई-अधिगम** 1
   डॉ. शिखा रानी

2. **उच्च शिक्षा की दशा और दिशा** 9
   हर्षवर्धन पाण्डे

3. **नागपुर शहर के प्राथमिक स्तर के अध्यापकों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्राथमिक शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण-एक सर्वेक्षणात्मक अध्ययन** 21
   अमित वसंतराव देवतळे एवं डॉ. सुहासकुमार रूपराव पाटील

4. **वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षकों की व्यावसायिक कुशलता के विभिन्न आयाम एवं चुनौतियां** 35
   भरत यादव एवं डॉ. ज्योति वर्मा

5. **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और अध्यापक प्रशिक्षण** 49
   डॉ. रश्मि जहाँ

6. **डिजिटलीकरण के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षा और शिक्षण उपकरणों का उपयोग: ग्रामीण भारत के लिए संभावनाएं** 59
   डॉ. डी. एस. मुजालदा एवं डॉ. सपना कासलीवाल

7. **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में हिन्दी भाषा कौशलों की भूमिका** 67
   अनीस अहमद खान एवं डॉ. राजेश एक्का,

8. **भारत में नई शिक्षा नीति 2020: अवसर और चुनौतियाँ** 73
   डा. राकेश कुमार बडासरा

9. **मूल्य शिक्षा संवर्धन में शिक्षक की भूमिका** 81
   आदर्श कुमार

10. **गेमिफिकेशन की शिक्षा में प्रभाविता** 89
    अभिषेक वर्मा एवं प्रो. शिरीष पाल सिंह

11. **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन में शिक्षकों और प्रशिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण क्यों?** 97
    डॉ. रीमा देवांगन

12. भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अध्यापकों का योगदान 103
डॉ. रश्मि गुप्ता

13. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में
शिक्षक शिक्षा में होने वाले बदलाओं एवं चुनौतियां 109
एकता मिश्रा

14. उच्चतर शिक्षण संस्थानों में प्रभावी प्रशासन और नेतृत्व 115
डॉ. इंदिरा कुमारी एवं डॉ. राकेश कुमार

15. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं अध्यापकों की भूमिका 121
डॉ. अरुण कुमार खोबरे

16. **Study of Awareness About NEP - 2020 Among Secondary Teacher Trainees** 125
Dr Parasurama D

17. **Empowering Educators: Fostering Digital Inclusion in Indian Higher Education** 131
Dr. Sapna Kasliwal

18. **Professional Commitment of Secondary School Teachers in Perspective of NEP 2020** 143
Jyoti Shukla

19. **Contribution of Teachers for Holistic Development of Students According to NEP 2020: An Analysis** 151
Arindam Dasgupta

20. **A Comparative Analysis of Reforms in the Teaching, Learning, and Evaluative Processes** 157
Mrs. Vartika Saxena

21. **Inclusive and Equitable Future: A Vision for Education for Women** 167
Prerna Priya

22. **Role of Teachers in Promoting Inclusive Education** 175
Pradeep Kumar Yadav

23. **Supporting School Adjustment through Teacher-Student Relationships in NEP 2020** 183
Sohan Singh

24. **A Study on Skill Development and NEP 2020** 193
Mrs. Monalisha Tamuly